



# साली और साली की बेटी संग मजे किए-3

“मेरा लंड कमल के पेट पे रगड़ खा रहा था, मेरा दिल चाह रहा था कि इसको अभी नंगी करूँ और अपना लंड इसकी कुँवारी चूत में डाल दूँ। मगर मैं ऐसा नहीं कर सकता था क्योंकि उसकी माँ सामने लेटी सब कुछ देख रही थी। ...”

Story By: (varindersingh)

Posted: Saturday, July 16th, 2016

Categories: [जीजा साली की चुदाई](#)

Online version: [साली और साली की बेटी संग मजे किए-3](#)

## साली और साली की बेटी संग मजे किए-3

साली की चूत चोद कर मैं उसकी बगल में कुछ देर लेटा रहा और हम एक दूसरे को सहलाते रहे, मैं उसकी मोटे मोटे बोंबों से खेलता रहा और वो मेरा लंड सहलाती रही।

धीरे धीरे बहुत से बातें करते रहे, मैं उसके बारे में उसकी सेक्स लाइफके बारे में, सेक्स में उसे क्या क्या पसंद है, उसके बारे में पूछता रहा, और वो भी मुझे सब कुछ खुल कर बताती रही।

गाँड, बूँड, लंड, चूत हर शब्द का प्रयोग उसने किया।

मुझे नहीं पता था कि गुड्डी दीदी इतनी गरम और सेक्सी औरत है।

कुछ देर की छेड़खानी के बाद मेरा लंड फिर से सख्ती पकड़ने लगा तो गुड्डी उठी और उसने मेरा लंड अपने मुँह में लेकर चूसना शुरू कर दिया।

मुझे मजा आया तो मैंने भी अपना मुँह उसकी टाँगों के बीच में फंसा दिया और 69 की पोजीशन बना कर वो मेरा लंड चूस रही थी, तो मैं उसकी चूत चाट रहा था।

गुड्डी की चूत बहुत पानी छोड़ रही थी, मैंने कई बार देखा कि उसकी चूत में सफ़ेद रंग के पानी की बूँदे निकलते हुये, और मैंने उन बूँदों को अपनी जीभ से चाटा, बल्कि उसकी चूत के सुराख से मुँह लगा लेता कि उसकी चूत से निकालने वाला सफ़ेद पानी सीधा मेरे मुँह में ही जाए।

पहले वो ऊपर थी और मैं नीचे था, फिर उसे नीचे लेटा दिया, क्योंकि वो भारी थी, और मैं ऊपर लेट गया।

अब मैं उसकी चूत चाटने के साथ अपनी कमर हिला हिला कर उसका मुँह भी चोद सकता

था और मैंने चोदा भी।

मेरे पूरे अकड़े हुये लंड को वो बड़ी जी जान से चूस रही थी, जैसे उसकी कोई बरसों पुरानी मुराद पूरी हो गई हो।

मगर इतना मज़ा करते हुये भी मेरा ध्यान बार बार साली की बेटी पर जा रहा था।

जब मुझ से रहा न गया तो मैंने अपनी साली से कहा- यार, मेरा बहुत दिल कर रहा है कि मैं कमल को भी छू कर देखूँ, सिर्फ छूना चाहता हूँ, और कुछ नहीं।

मगर साली ने मना कर दिया, बोली- नहीं, जो करना है मेरे साथ करो, वो तो तुम्हारी बेटी जैसी है, उस पे बुरी नज़र मत डालो, कितने कमीने हो तुम।

मैंने कहा- अगर देखा जाए तो तुम भी मेरी बहन जैसी हो, और तुम्हें भी तो मैं दीदी ही कहता हूँ, मुझसे बड़ी हो, बस 2 मिनट लगाऊँगा।

कह कर मैं तो उठ गया और जा कर कमल के ऊपर खड़ा हो गया। वो गहरी नींद में सोई थी, उसे नहीं पता था कि उसका मौसा बिल्कुल नंगा होकर, अपना लंड अकड़ा कर, एक पाँव उसकी कमर के इस तरफ और दूसरा पाँव दूसरी तरफ रख कर खड़ा है।

गुड्डी मेरे सामने बैठी मुझे देख रही थी।

पहले मैंने कमल के ऊपर खड़ा होकर अपने लंड की थोड़ी सी मुट्ठ मारी, फिर बैठ गया, जब बैठा तो मेरे आँड कमल की चूत से जा लगे, मैंने उसकी टी शर्ट के अंदर हाथ डाले और उसके दोनों नर्म नर्म चूचे पकड़ लिए और दबाये।

वो सोती रही।

मैंने फिर थोड़ा और ज़ोर से दबाये, फिर अच्छी तरह निचोड़े, मगर वो नहीं हिली।

मेरा लंड कमल के पेट पे रगड़ खा रहा था, मेरा दिल चाह रहा था कि इसको अभी नंगी

करूँ और अपना लंड इसकी कुँवारी चूत में डाल दूँ।

मगर मैं ऐसा नहीं कर सकता था क्योंकि उसकी माँ सामने लेटी सब कुछ देख रही थी।

फिर भी मुझसे सब्र नहीं हुआ तो मैंने अपनी उंगली से उसकी लोअर और चड्डी दोनों नीचे खिसका दी, नीचे से कुँवारी बालों भरी चूत के दर्शन हुये।

बस तभी मैंने अपना लंड सीधा किया और उसकी चूत पे रख दिया।

यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

यह देखते ही मेरी साली एकदम से उठ कर आई और मेरी बांह खींचते हुये धीरे से बोली-  
ये क्या कर रहे हो, इसे छोड़ो, उधर आओ मेरे पास, हम करते हैं न।

मैं समझ गया कि माँ अपनी बच्ची को बचा गई।

मैं भी उठ कर चला गया और फिर से जा कर साली के ऊपर लेट गया।

उसने बिना कोई देर किए, अपनी टाँगें फैलाई और मेरा लंड पकड़ कर खुद ही अपनी चूत पे रख लिया और बोली- “चलो डालो अंदर, और हो जाओ शुरू।

मैंने भी अपना लंड उसकी चूत में धकेल दिया और चोदने लगा उसे।

मगर मेरे मन में तो कोमल की कच्ची जवानी बस गई थी, मैंने उसे चोदते चोदते कहा-  
कोमल अब पूरी जवान हो गई है, चूचे भी भर गए हैं, चूत पे भी बाल आ गए हैं, अब तो वो भी चुदवा सकती है।

मैं तो अपनी ठरक मिटा रहा था।

मेरी साली बोली- अरे नहीं, अभी बच्ची है, तुम मुझसे करो न, इतने साल हो गए तुम्हारी  
शादी को, मैंने आज तक कभी तुम्हें लाइन दी, मगर आज मैं तुम्हें सब कुछ करने का मौका

दे रही हूँ, पूरी मज़ा लो मेरे साथ, कोमल को छोड़ो।

मैंने कहा- बच्ची कहाँ 20 पार कर चुकी है, कितना मज़ा आता अगर मैं तुम्हें चोदते हुये उसकी कुँवारी बुर चाट सकता।

इस पर साली गुस्सा हो गई और बोली- देखो, अगर तुम मेरी बच्ची के पीछे ही पड़े रहोगे, तो मुझसे भी जाओगे, या तो मेरे साथ कर लो या फिर जा कर सो जाओ।

उसकी सख्ती देख कर मुझे लगा कि कहीं ये काम भी न बिगड़ जाए, सो मैंने अपना सारा ध्यान उस पर ही लगा दिया। उसके दोनों बोबे अपने हाथों में पकड़े, दबाये और खूब चूसे, यहाँ वहाँ उसके बोबों पर अपने दाँतों से काटा।

काटने पर उसके मुँह से कभी चीख तो कभी सिसकारी निकलती। मगर तड़पी बहुत, मेरा पूरा सहयोग दिया उसने, नीचे से अपनी कमर बराबर उचकाती रही, ताकि लंड बड़ी आसानी से अंदर जाए।

पानी बेहिसाब छोड़ा उसने... घचागच कर दिया। लोग पतली औरत को बहुत पसंद करते हैं, मगर मोटी औरत को चोदने का भी अपना ही मज़ा है, हर चीज़ भरपूर मिलती है आपको।

मैंने भी अपना पूरा जलवा दिखाया, कभी आगे से, कभी घोड़ी बना कर, कभी साइड से, कभी उल्टा लेटा कर, हर तरह से मैंने उसे चोदा।  
उसने भी मेरी हर बात मानी, सिर्फ एक बात को छोड़ कर!

‘मैंने आज तक कभी पीछे नहीं लिया, बस आगे जितना मर्ज़ी करो, गांड नहीं मरवाती मैं!’  
वो बोली, तो मैंने वो बात छोड़ दी।

करीब करीब आधे घंटे तक हमारी यह सेक्स लीला चली।

मैंने उसे पूछा, तो वो बोली- मेरा तो हो चुका, आप अपना कर लो।  
मुझे बड़ी हैरानी हुई कि 'कमाल है, कब हो गया इसका ? पता ही नहीं चला।'

खैर अब तो गेंद मेरे पाले में थी, सो मैंने खूब खेला। जानबूझ कर जब झड़ने वाला होता तो लंड बाहर निकाल लेता और कोई और पोज बदल के फिर से चुदाई करता।  
साली भी बोली- क्या कर रहे हो, क्या छोटी से भी ऐसे ही खेल खेल के करते हो ?

मैंने कहा- नहीं, उससे इतना नहीं खेलता, क्योंकि उसकी तो कभी भी ले सकता हूँ, तुम तो आज मिली, हो, कल पता नहीं तुम्हें चोद पाऊँ या नहीं, इसलिए ज्यादा से ज्यादा मजा लेना चाहता हूँ।

वो बोली- तो क्या हुआ, अगर झड़ गया तो फिर से कर लेना, पूरी रात अपनी है!  
साली ने मेरी पीठ ठोकी।

मगर मेरे मन में कुछ और चल रहा था, मैंने सोचा, अगर ये काम निबटा कर सो जाऊँ तो फिर थोड़ी देर बाद उठ कर कोमल के कच्चे बदन से खेल सकता हूँ।

बस यह सोचते ही मैंने दबादब अपनी साली को चोदा और फिर फटाक से लंड निकाल के उसके पेट पे रखा और लंड से वीर्य सारे बांध तोड़ता हुआ बाहर आया और साली का पेट चूचे सब भिगो दिये।

मेहनत करके मैं भी थक चुका था, साली के बगल में ही लेट गया। थोड़ी देर बाद उठा, सिर्फ अपनी टी शर्ट और लोअर पहना, मगर चड्डी नहीं पहनी, और जा कर सो गया।  
साली भी सो गई।  
कहानी जारी रहेगी।

[alberto62lopez@yahoo.com](mailto:alberto62lopez@yahoo.com)

## Other stories you may be interested in

### तीन पत्ती गुलाब-5

ये साली नौकरी भी जिन्दगी के लिए फजीता ही है। यह अजित नारायण (मेरा बॉस) भोंसले नहीं भोसड़ीवाला लगता है। साला एक नंबर का हरामी है। पिछले 4 सालों से कोई पदोन्नति (प्रमोशन) ही नहीं कर रहा है। आज मैं [...]

[Full Story >>>](#)

### मम्मीजी आने वाली हैं-5

स्वाति भाभी अब कुछ देर तो ऐसे ही अपनी चूत से मेरे लण्ड पर प्रेमरस की बारिश सी करती रही फिर धीरे धीरे उसके हाथ पैरों की पकड़ ढीली हो गयी। अपने सारे काम ज्वार को मेरे लण्ड पर उगलने [...]

[Full Story >>>](#)

### विधवा औरत की चूत चुदाई का मस्त मजा-3

कहानी के पिछले भाग में आपने पढ़ा कि मैं उस विधवा औरत की बरसों से प्यासी चूत को चोदने में कामयाब हो गया था. मगर मुझे लग रहा था कि शायद कहीं कोई कमी रह गयी थी. मैंने तो अपना [...]

[Full Story >>>](#)

### कमसिन पड़ोसन की सील तोड़ चुदाई

दोस्तो, मेरा नाम संजय गुप्ता है मेरी उम्र कोई 21 साल है. मेरे माता पिता सामान्य वर्ग से संबंध रखते हैं और हमारी फैमिली एक साधारण फैमिली है. मेरे माता पिता ने मुझे बहुत ही अच्छी शिक्षा दिलवाई. मैं बचपन [...]

[Full Story >>>](#)

### चाची की चूत और अनचुदी गांड मारी

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम रंजन देसाई है. मेरी उम्र 27 साल है और मैं कोल्हापुर, महाराष्ट्र का रहने वाला हूं. मैंने अन्तर्वासना पर बहुत सारी कहानियां पढ़ी हैं. ये मेरी पहली कहानी है जो मैं अन्तर्वासना पर लिख रहा हूं. [...]

[Full Story >>>](#)

